

## CHAPTER-IX

### चिड़िया की बच्ची

#### 2 MARK QUESTIONS

1. माधवदास के बार- बार समझाने पर भी चिड़िया सोने के पिंजरे और सुख -सुविधाओं को कोई महत्त्व नहीं दे रही थी। दूसरी तरफ माधवदास की नज़र में चिड़िया की ज़िद का कोई तुक न था। माधवदास और चिड़िया के मनोभावों के अंतर क्या -क्या थे ? अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर:

चिड़िया और माधवदास दोनों के मनोभाव एक दूसरे से विपरीत थे। चिड़िया एक आज़ाद पक्षी है जिसे खुले आसमान में उड़ना पसंद है, अपनी माँ के साथ रहना पसंद है। चिड़िया के लिए सोने - चांदी से ज्यादा महत्वपूर्ण उसकी आज़ादी और उसकी माँ का स्नेह था। इसके विपरीत माधवदास, जो एक स्वार्थी व्यक्ति था जिसके लिए धन -सम्पत्ति, सुख -सुविधाएँ ही जीवन जीने के लिए जरूरी है नाकि प्रेम।

47/102

2. कहानी के अंत में नन्ही चिड़िया का सेठ के नौकर के पंजे से भाग निकलने की बात पढ़कर तुम्हें कैसा लगा ? चालीस -पचास या इससे कुछ अधिक शब्दों में अपनी प्रतिक्रिया लिखिए।

उत्तर:

कहानी के अंत में हमने देखा कि नन्ही चिड़िया कैसे भी करके उस सेठ के नौकर के पंजे से भाग निकलती है। कहानी का यह एक सुखद अंत था क्योंकि अगर वह चिड़िया पकड़ी जाती तो इसका परिणाम बुरा होता। लेकिन वह चिड़िया अब आज़ाद है और अपनी माँ के साथ खुश है। कहानी के अंत में चिड़िया के बचने से मुझे बहुत खुशी हुई। चिड़िया सिर्फ छोटी और प्यारी ही नहीं बल्कि वह बहादुर भी थी।

3. इस कहानी का कोई और शीर्षक देना हो तो आप क्या देना चाहेंगे और क्यों ?

उत्तर:

इस कहानी का शीर्षक हम ' जीवन का असली सुख ' रख सकते हैं क्योंकि इस कहानी में हमने जिंदगी जीने के दो भिन्न नजरिये पढ़े हैं ।

4. इस कहानी में आपने देखा कि वह चिड़िया अपने घर से दूर आकर भी अपने घोंसले तक वापस पहुँच जाती है । मधुमक्खी चींटिया ग्रह – नक्षत्रों तथा प्रकृति की अन्य विभिन्न चीजों में हमें अनुशासनबद्धता देखने को मिलती है । इस तरह के स्वाभाविक अनुशासन का रूप आपको कहाँ -कहाँ देखने को मिलता है ? उदाहरण देकर बताइए ।

उत्तर:

इस तरह का स्वाभाविक अनुशासन हमें निम्न रूपों में देखने मिलता है जैसे हर दिन सूर्य का अपने निश्चित समय पर निकलना , पृथ्वी का अपनी धुरी पर लगातार चक्कर लगाना , पशु -पक्षी का 48/102 विचरण करने के बाद शाम को अपने घरों में वापस आ जाना । इन प्राकृतिक रूपों में कभी परिवर्तन नहीं होता ।

5. सोचकर लिखिए कि यदि सारी सुविधाएं देकर एक कमरे में आपको सारे दिन बंद रहने को कहा जाए तो क्या स्वीकार करेंगे ? आपको अधिक प्रिय क्या होगा ' स्वाधीनता ' या ' प्रलोभनवाली पराधीनता ' ? ऐसा क्यों कहा जाता है की पराधीन व्यक्ति को सपने में भी सुख नहीं मिल पाता । नीचे दिए गये कारणों को पढ़ें और विचार करें \_

क) क्योंकि किसी को पराधीन बनाने की इच्छा रखनेवाला व्यक्ति स्वयं दुखी होता है , वह किसी को सुखी नहीं कर सकता ।

ख) क्योंकि पराधीन व्यक्ति सुख के सपने देखना ही नहीं चाहता।

ग) क्योंकि पराधीन व्यक्ति को सुख के सपने देखने का भी अवसर नहीं मिलता ।

उत्तर:

हर तरह की सुख सुविधाएं मिलने के बाद भी हर व्यक्ति को उसकी आज़ाद जिन्दगी ज्यादा प्यारी होती है । पराधीन व्यक्ति के पास हर तरह की सुख सुविधाएं क्यों ना हो लेकिन वह सुख सुविधाएं

हमें आराम दे सकती है लेकिन सुकून नहीं, क्योंकि पराधीन व्यक्ति ऐसी सुविधाओं में हर समय घुट घुट कर जीने पर विवश होता है।

**6. आपने गौर किया होगा कि मनुष्य पशु पक्षी – इन तीनों में ही माँ अपने बच्चों का पूरा - पूरा ध्यान रखती है। प्रकृति की इस अदभुत देन का अवलोकन कर अपने शब्दों में लिखिए।**

**उत्तर:**

एक माँ और बच्चे का रिश्ता बहुत गहरा होता है इसलिए इन दोनों का प्रेम हर जीव में दिखता है। माँ कितनी भी पीड़ा सहकर एक बच्चे को पालती -पोसती है। अपनी प्रेम रूपी छाया में रखकर हर दुःख और परेशानी से बचाती है इसलिए माँ अनमोल है।

**7. पाठ में तैनें छनभर खुश करियो – तीन वाक्यांश ऐसे हैं जो खड़ीबोली हिंदी के वर्तमान रूप में तूने, क्षणभर, खुश करना लिख -बोले जाते हैं लेकिन हिंदी के निकट की बोलियों में कहीं कहीं इनके प्रयोग होते हैं। इस तरह के कुछ अन्य शब्दों की खोज कीजिये।**

**उत्तर:**

1. दियो – देना।
2. आइओ – आना।
3. जइओ – जाना।
4. कारिओ – करना।
5. मन्नै- मैंने।



## 5 MARK QUESTIONS

1. किन बातों से ज्ञात होता है कि माधवदास का जीवन सम्पन्नता से भरा हुआ था और किन बातों से पता चलता है कि वह सुखी नहीं था?

उत्तर:

निम्नलिखित बातों से ज्ञात होता है कि माधवदास का जीवन सम्पन्नता से भरा हुआ है --

1. माधवदास ने अपनी संगमरमर की नयी कोठी बनवाई थी। जिसके सामने एक बहुत सुहावना बगीचा भी बनवाया था।

2. माधवदास के पास धन की भी कोई कमी नहीं थी।

3. वह उस चिड़िया को भी धन का लोभ देते हुए कहता है कि "वह उसके रहने के लिए सोने का पिंजरा बनवा देगा।"

कई बातों से पता चलता है वह सुखी नहीं था जैसे कि उसके पास किसी भी वस्तु की कमी नहीं थी लेकिन वह इतनी बड़ी कोठी में अकेला रहता था यही कारण था की वह सुखी होकर भी सुखी नहीं था।

50/102

2. 'माँ मेरी बाट देखती होगी' \_ नन्ही चिड़िया बार-बार इसी बात को कहती है। आप अपने अनुभव के आधार पर बताइये की हमारी ज़िंदगी में माँ का क्या महत्व है?

उत्तर:

हमारे जीवन की आधार है माँ। माँ के बिना जीवन असंभव है। माँ सर्वोपरि है। हर बच्चे के लिए उसकी माँ सबसे प्यारी है। माँ हमारी पहली दोस्त है, माँ हमारी पहली गुरु है, अर्थात् माँ ईश्वर के सामान है। माँ अपने बच्चे की खुशी में खुश होती है, दुःख में दुखी होती है। हम अपने माँ के ऋणी है उनका ऋण हम नहीं चुका सकते हैं क्योंकि हमारी माँ हमसे अपार प्रेम करती है। वो भी निःस्वार्थ भाव से इसलिए वह चिड़िया बार-बार अपनी माँ को याद करती है।

3. माधवदास क्यों बार -बार चिड़िया से कहता है कि यह बगीचा तुम्हारा ही है ? क्या माधवदास निस्वार्थ मन से ऐसा कह रहा था ? स्पष्ट कीजिये ।

**उत्तर:**

माधवदास बार-बार चिड़िया को कह रहा था कि यह बगीचा तुम्हारा ही है । वह ऐसा इसलिए कह रहा था क्योंकि वह उस छोटी- सी, प्यारी -सी चिड़िया को अपने पास पिंजरे में कैद रखना चाहता था ताकि वह चिड़िया उसका मन बहला सके । अतः, माधवदास यह सब स्वार्थ भाव से बोल रहा था अगर वह निस्वार्थी होता तो वह चिड़िया को जबरदस्ती पकड़ कर अपने पास रखने की कोशिश नहीं करता ।